भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4

उत्तर देने की तारीख: 18.11.2019

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

4. डॉ. अमोल राम सह कोल्हेः
श्री डी. एन. वी. सेंथिलकुमार एस.:
श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः
श्रीमती सुप्रिया सदानंदसुलेः
डॉ. सुभाष रामराव भामरेः
श्री हेमन्त पाटिलः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने प्रत्येक वर्ष 5 सितम्बर को प्रदान किए जाने वाले राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए शिक्षकों के चयन हेतु मानदंड निर्धरित किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने हेतु तैयार किए गए नियमों में संशोधन करने का राज्य सरकारों के पास कोई अधिकार है और यदि हां, तो ऐसे संशोधन किन शर्तों के अंतर्गत किए जा सकते हैं;

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार का विचार विभिन्न राज्यों द्वारा किए गए संशोधनों के संबंध में उपयुक्त कार्यवाही करने का है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और विद्यार्थियों के जीवन को समृद्ध बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या अन्य कदम उठाये गए हैं?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री

(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) से (घ): जी हां। भारत सरकार ने राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए शिक्षकों के चयन हेतु मानदंड निर्धारित किए हैं। पात्रता की शर्तों, ऑनलाइन स्व-नामांकन के लिए प्रक्रिया, चयन मानदंड, चयन समिति के विभिन्न स्तर अर्थात् जिला चयन समिति, राज्य चयन समिति और राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्र जूरी से संबंधित मौजूदा दिशा-निर्देश की प्रति संलग्न है।

राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए शिक्षकों के चयन हेतु दिशा-निर्देशों में संशोधन करने का प्राधिकार भारत सरकार के पास है।

(ङ.): केंद्र सरकार ने देश के प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं, जिसमें नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण, डी.एल.एड पाठ्यक्रम, स्कूल शिक्षा के लिए एकीकृत योजना- समग्र शिक्षा, 2021 में आयोजित किए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम (पीसा) में भागीदारी, एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्कूल आधारित मूल्यांकन (एसबीए), निष्पादन ग्रेडिंग सूचकांक (पीजीआई), देश भर के सभी सरकारी स्कूलों में यूथ एंड इको क्लब, भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाने के लिए रंगोत्सव शामिल हैं।

*****